अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2015) | दिनांक 18.12.2015

पंचम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

महात्मा महाप्रज्ञ – 50

प्र.1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 13

(क) ''चोर आ गया'' यह शोर किसने और क्यों मचाया?

(ख) प्रारम्भ में मुनि नथमल प्रतिदिन कितनी गाथा सीख पाते थे?

(ग) महाप्रज्ञजी ने पहली बार चाय का नाम कब और कहाँ सुना?

(घ) ''आज्ञा–आलोयणा'' का दायित्व महाप्रज्ञजी को कब और कहाँ दिया गया?

(ङ) आयुष्य टूटने/अकाल मृत्यु का निर्णय कहाँ हुआ?

(च) आगम सम्पादन से पूर्व श्री महाप्रज्ञजी ने कौन से ग्रन्थ का सम्पादन किया?

(छ) मुनि नथमल को महाप्रज्ञ अलंकरण से कब और कहाँ विभूषित किया गया?

(ज) ''मैं महाप्रज्ञ के साहित्य का प्रेमी पाठक हूँ।'' यह कथन किसने, कब कहा?

(झ) फ्यूरेक का गठन कब और कहाँ हुआ?

(ञ) मुख्य नियोजिकाजी की नियुक्ति कब और किस सन्दर्भ में हुई?

(ट) मुनि नथमल को साधुचर्या सम्बन्धी प्रशिक्षण किसने दिया?

(ठ) ''जैन दर्शन : मनन और मीमांसा'' पुस्तक का लेखन कब प्रारम्भ हुआ?

(ड) धर्मसंघ में सविधि प्रतिक्रमण का प्रारम्भ कब हुआ?

(ढ़) धर्मसंघ के साधु–साध्वियों पर अनुशासन संहिता कब लागू की गयी?

(ण) महात्मा महाप्रज्ञजी को अग्रगण्य कब बनाया गया?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में लिखें – 10

(क) मुनि नथमल के साथ कितने साधु–साध्वियों ने दीक्षा ली? नाम लिखें।

(ख) चौदह वर्ष की अवस्था में श्री महाप्रज्ञजी ने कितने संकल्प लिए उनमें से पहला बतायें?

(ग) प्रज्ञा–परिषद् में कितने साधु–साध्वियों को पार्षद बनाया? उसमें साध्वियां पार्षद के नाम लिखें।

(घ) महाप्रज्ञजी के छिहतरवें जन्मदिन पर गुरुदेव तुलसी ने मानव जाति के लिए कौनसा करणीय कार्य बताया?

(ङ) जैनधर्म और दर्शन का प्रमुख सिद्धान्त क्या है? तथा उसके कितने अंग हैं? नाम लिखें।

प्र.3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 12

(क) धारणा प्रणाली क्या है और संघ में इसकी क्या परम्परा थी?

(ख) पूज्य कालूगणी की मुनि नथमल पर विशिष्ट वात्सल्य की कोई घटना–प्रसंग लिखें।

(ग) विकास महोत्सव की अवधारणा एवम् स्वरूप पर प्रकाश ड़ालें।

(घ) अहिंसा यात्रा का शुभारम्भ तथा उसके प्रथम प्रवास पर प्रकाश ड़ालें।

प्र.4 सिद्ध करें कि आचार्य महाप्रज्ञ जैनयोग के पुनरूद्धारक थे। 15

'अथवा'

लेखक आचार्य महाश्रमणजी की दृष्टि में आचार्य महाप्रज्ञजी की क्या–क्या विशेषताएँ थीं? विस्तार से लिखें।

आचार्य महाश्रमण – 30

प्र.5 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए – 7

(क) मोहन के प्रिय खेल कौन–कौन से थे?

(ख) थोकड़ों में अन्तिम थोकड़ा किसे माना गया है?

(ग) दीक्षा की आज्ञा के पश्चात् मोहन ने आचार्य तुलसी के दर्शन कब और कहाँ किये?

(घ) मोहन की मौसी का क्या नाम था? वह मोहन के लिए क्या सौगात लेकर आयी?

(ङ) मुनि मुदित कुमारजी ने दीक्षा वाले दिन से ही कौनसा सूत्र कंठस्थ करना प्रारम्भ किया और कितने दिनों में कंठस्थ कर लिया?

(च) आचार्य महाश्रमणजी की संस्कृत भाषा की कहानियाँ कौन से ग्रन्थ में उपलब्ध हैं?

(छ) मुनि मुदिन कुमारजी गुरुदेव की व्यक्तिगत कौनसी सेवा के लिए नियुक्त किये गये?

(ज) महाश्रमणजी की प्रथम स्वतंत्र यात्रा कहाँ और कितने दिनों की थी?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5

(क) मोहन के सम्मुख दो मार्ग कौनसे थे और उनमें क्या कष्ट थे?

(ख) मुनि मुदितकुमारजी को अंतरंग सहयोगी नियुक्त करते हुए गुरुदेव तुलसी ने क्या कहा?

(ग) अणुव्रत प्रेक्षा यात्रा का मुख्य उद्देश्य क्या था?

(घ) ''श्रद्धास्वादो न खलुरसितो हारित तेन जन्म'' इस सूत्र का क्या तात्पर्य है?

प्र.7 कोई तीन प्रश्नों के 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए – 18

(क) ''एक महत्त्वपूर्ण साहसिक निर्णय क्या था'' प्रकाश ड़ालें।

(ख) युवाचार्य मनोनयन के अवसर पर युवाचार्यश्री ने कितनी व कौन–कौन सी मंगलकामनाएँ कीं?

(ग) ''गुरुदेव उपालंभ देंगे'' घटना प्रसंग लिखें।

(घ) सिद्ध करें कि आचार्य महाश्रमणजी प्राणवान हैं।

(ङ) आचार्य महाश्रमण पदाभिषेक के अवसर पर आचार्यप्रवर, धर्मसंघ व संस्थाओं ने क्या–क्या संकल्प लिये?

तेरापंथ–प्रबोध – 10

प्र.8 कोई तीन पद्य लिखें – 10

(क) सन्त–सत्यां.....निस्सार हो।।

(ख) जिनमंदिर में.....स्वीकार हो।।

(ग) ''म्हानै घणो सुहावै जी'' गीत वाला पद्य।

(घ) दो'री लगी.....संभार हो।।

(ङ) ''विद्या के प्रांगण में'' गीत वाला पद्य।

तुलसी–प्रबोध – 10

प्र9 कोई तीन पद्य लिखें। 10

(क) जोग मिल्यो.....निस्सार हो।।

(ख) कालू युग में.....सार हो।।

(ग) प्रथम–प्रथम.....इकरार हो।।

(घ) एक बार.....उपसंहार हो।।

(ङ) आण बाण पर.....पुचकार हो।।